>

Title: Regarding frequent accidents at unmanned railway crossings in the country.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): माननीय सभापति जी, मैं लोक महत्व के बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न को आपके माध्यम से सरकार के सामने रखना चाहता हूं।

भारतीय रेल हमारे जीवन की, पूरे देश के जीवन की, आम जनता की जीवन रेखा है और काफी लम्बी लाइनों का निर्माण देश में हुआ है। देश के विभिन्न हिस्सों में राज्य सरकारें और केन्द्र सरकार मिलकर लाइनें बना रही हैं, सड़कें बना रही हैं, लेकिन मानव रहित रेलवे क्रासिंग नहीं रहने से आज बड़ी संख्या में दुर्घटनाएं हो रही हैं। पिछले वर्षों में 16 हजार लोगों की मौत मानव रहित क्रासिंग्स पर हो चुकी है। मानव रहित रेलवे फाटक जहां बने हैं, उनको क्रॉस करने में ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैक्टर हैं, आदमी आते-जाते हैं, बस की सवारियां हैं, ट्रैक्टर-जीप हैं, उनसे आने-जाने में ट्रेन से दुर्घटनाएं होती हैं और रेलवे को करोड़ों की सम्पति का भी नुकसान होता है।

रेलवे लाइन के दोनों तरफ सड़कों का निर्माण हो गया है, लेकिन उन पर फाटक नहीं होने से पूरे देश में दुर्घटनाएं होती हैं। अब तक जो दुर्घटनाएं हुई हैं, उनमें काफी जान-माल की क्षति हुई है, इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं, खास तौर से उत्तर प्रदेश में अभी हाल ही में भारी दुर्घटनाएं हुई, जिनमें 30-40 लोगों की जानें गई। इसी प्रकार से उत्तर प्रदेश के जनपद चन्दौली में भी कई रेलवे लाइनें हैं, मुगलसराय-गया लाइन, मुगलसराय-पटना लाइन, मुगलसराय-बनारस लाइन हैं, जहां मानव रहित कई दर्जन रेलवे फाटक हैं। मुगलसराय से बनारस रेलवे लाइन पर हृदयपुर में जो मानव रहित रेलवे फाटक है, उस पर कई बार दुर्घटनाएं होती हैं। वहां करीब-करीब बीसों गांव हैं, जो उस मानव रहित गेट से मार्केट में आते हैं, विद्यार्थी आते हैं, मरीज मुगलसराय इलाज कराने के लिए आते हैं। इसी प्रकार से मुगलसराय से पटना लाइन पर महादेवपुर है। वहां नहर की पटरी पर मानव रहित क्रासिंग के चलते आये दिन दुर्घटनाएं होती हैं। आगे बढ़ेंगे तो मुगलसराय से जमनियां के बीच में कई ऐसे स्थान हैं, जहां सड़कें दोनों तरफ बन गई हैं, पर वहां मानव रहित क्रासिंग हैं। रेलवे का गेट न होने से वहां दुर्घटनाएं होती हैं। यही हालत मुगलसराय-गया लाइन पर है, जहां करीब आधा दर्जन मानव रहित गेट हैं। उनके चलते दुर्घटनाएं हो रही हैं। ...(व्यवधान) मैं एक मिनट में अपनी बात समाप्त कर देता हूं। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के रेल मंत्री जी से मांग करता हूं कि देश में करोड़ों रुपया खर्च हो रहा है, इसके लिए बजट है, प्रावधान है, लाभ में रेलवे बजट होता है। इसके कारण हमारे देश की जनता को भारी जान-मान की क्षति उठानी पड़ रही है। रेल मंत्रालय यह कह देता है कि राज्य सरकारें इसका प्रस्ताव भेजें, राज्य सरकारें सड़कें बनाती हैं और मानव रहित गेटों पर आधुनिक गेट बनाने के लिए उसका प्रावधान नहीं करते हैं, जिसके चलते भारी दुर्घटनाएं होती हैं।

मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी से और रेल विभाग के अधिकारियों से कहना चाहता हूं कि आप जब बजट बनाते हैं, जब नई सड़कें बन रही हैं और रेलवे लाइन के इस पार को उस पार से जोड़ने का काम हो रहा है तो उसी समय उन सड़कों के बजट में ही उसमें प्रावधान रखा जाये। जब सड़कों का निर्माण हो रहा है तो जहां मानव रहित क्रासिंग हैं, जहां मानवरहित क्रासिंग है, वहां आधुनिक रेलवे फाटक निर्माण कराने का काम किया जाए।

सभापति जी, आपने हमें इस विÂाय को उठाने का मौका दिया, इसलिए मैं आपको और पूरे सदन को धन्यवाद देता हूं।